कान्हा ओ कान्हा | by Devender Sharma

तू कर ना कोई बहाना
ओ माखन तुझे मिल जाएगा

देवकी के आँखों के तारे वासुदेव के तुम हो प्यारे
यशोदा के राज दुलारे नन्द बाबा के मोहन प्यारे
तू कर ना कोई बहाना
ओ माखन तुझे मिल जाएगा

गोपियन से रास रचाये यमुना तट पे हमें सतावे
माखन मिश्री का भोग लगाए चोरी चोरी माखन खावे
तू कर ना कोई बहाना
ओ माखन तुझे मिल जाएगा

मोर मुकुट सर पे साझे मुरली की धुन मधुर बजावे
ग्वालन के मन को भावे देवेंदर शर्मा को खूब नचावे
भक्तों वो खूब नचावे
तू कर ना कोई बहाना
ओ माखन तुझे मिल जाएगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%93-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-by-devender-sharma/